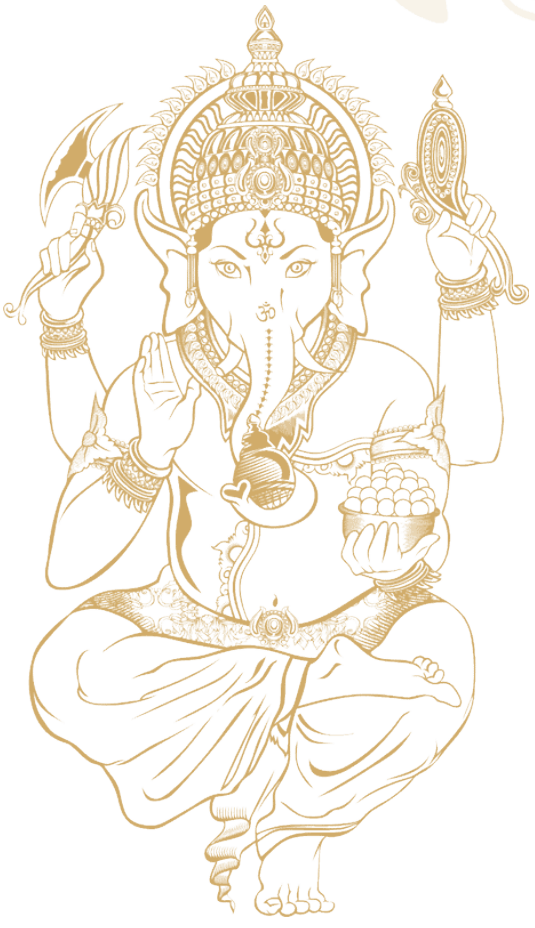

Mr.kartik

26 Oct 2019

09:14 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119892202

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
26/10/2019	जन्म तिथि	**25/10/2025**
शनिवार	दिन	शनिवार
घंटे 09:14:00	जन्म समय	21:54:44 घंटे
घटी 06:52:51	जन्म समय(घटी)	38:35:27 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:28:51	सूर्योदय	06:28:33
17:41:15	सूर्यास्त	17:41:39
24:07:44	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:06
वृश्चिक	लग्न	मिथुन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कन्या	राशि	वृश्चिक
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
हस्त	नक्षत्र	ज्येष्ठा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	बुध
1	चरण	3
वैधृति	योग	शोभन
वणिज	करण	विष्टि
पू-पुरुषोत्तम	जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
महिष	योनि	मृग
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मृग
6	गत/तत्कालिक वर्ष	7

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
अनुराधा	3	12:45:15	वृश्चि		
स्वाति	1	08:17:47	तुला		
हस्त	1	10:29:10	कन्या		
हस्त	4	20:04:41	कन्या		
विशाखा	4	01:41:56	वृश्चि		
ज्येष्ठा	4	28:07:34	वृश्चि		
विशाखा	3	27:33:03	तुला		
पूर्वाषाढ़ा	3	20:55:57	धनु		
आर्द्रा	4	16:55:19	मिथु	व	
पूर्वाषाढ़ा	2	16:55:19	धनु	व	
अश्विनी	4	10:34:11	मेष	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मिथु	16:01:53	3	आर्द्रा
सूर्य			तुला	08:17:47	1	स्वाति
चंद्र			वृश्चि	23:37:06	3	ज्येष्ठा
मंगल			तुला	28:46:05	3	विशाखा
बुध			वृश्चि	01:38:47	4	विशाखा
गुरु			कर्क	00:27:47	4	पुनर्वसु
शुक्र			कन्या	20:27:34	4	हस्त
शनि	व		मीन	01:53:33	4	पू०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	23:02:16	1	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	23:02:16	3	पू०फाल्गुनी
मु			वृष	12:45:15	1	रोहिणी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित

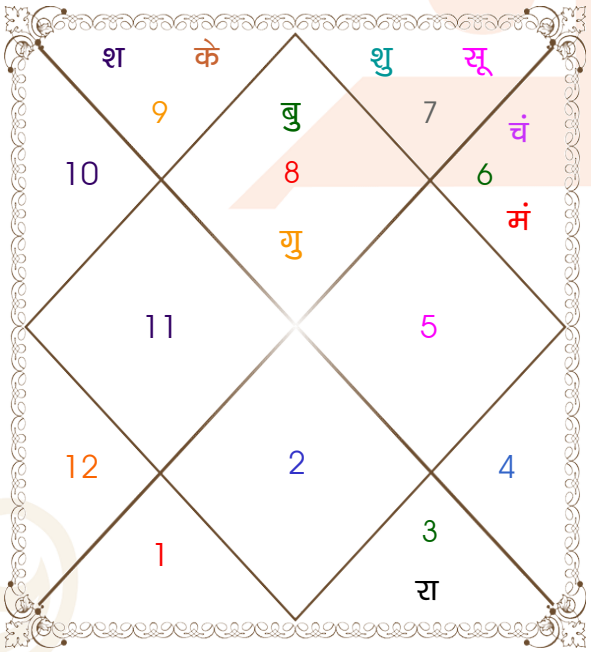

वर्ष लग्न कुंडली

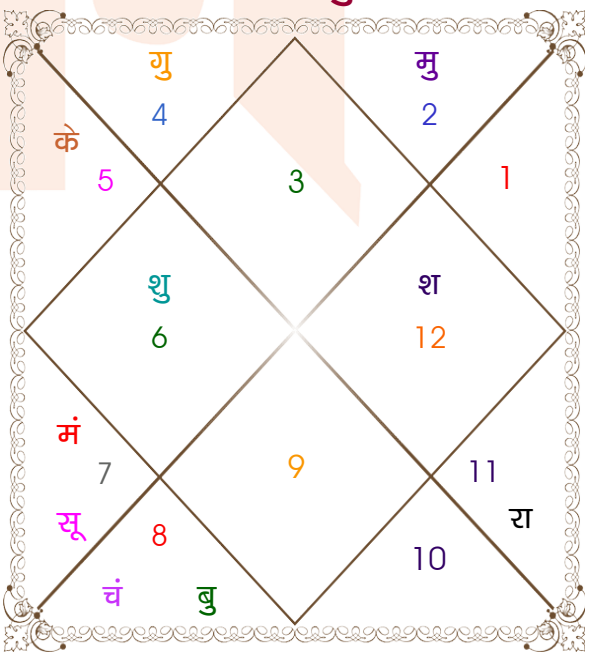

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

चंद्र - बुध - सूर्य	
21/10/2025 13:20	
16/11/2025 10:16	
सूर्य	22/10/2025 20:23
चंद्र	25/10/2025 00:07
मंगल	26/10/2025 12:21
राहु	30/10/2025 09:29
गुरु	02/11/2025 20:16
शनि	06/11/2025 22:35
बुध	10/11/2025 14:33
केतु	12/11/2025 02:46
शुक्र	16/11/2025 10:16

चंद्र - बुध - चंद्र	
16/11/2025 10:16	
29/12/2025 13:08	
चंद्र	20/11/2025 00:30
मंगल	22/11/2025 12:52
राहु	29/11/2025 00:06
गुरु	04/12/2025 18:05
शनि	11/12/2025 13:56
बुध	17/12/2025 16:33
केतु	20/12/2025 04:55
शुक्र	27/12/2025 09:23
सूर्य	29/12/2025 13:08

चंद्र - बुध - मंगल	
29/12/2025 13:08	
28/01/2026 17:33	
मंगल	31/12/2025 07:23
राहु	04/01/2026 20:03
गुरु	08/01/2026 20:38
शनि	13/01/2026 15:20
बुध	17/01/2026 21:58
केतु	19/01/2026 16:13
शुक्र	24/01/2026 16:57
सूर्य	26/01/2026 05:11
चंद्र	28/01/2026 17:33

चंद्र - बुध - राहु	
28/01/2026 17:33	
16/04/2026 08:19	
राहु	09/02/2026 08:58
गुरु	19/02/2026 17:20
शनि	04/03/2026 00:16
बुध	15/03/2026 00:10
केतु	19/03/2026 12:50
शुक्र	01/04/2026 11:17
सूर्य	05/04/2026 08:26
चंद्र	11/04/2026 19:40
मंगल	16/04/2026 08:19

चंद्र - बुध - गुरु	
16/04/2026 08:19	
24/06/2026 08:07	
गुरु	25/04/2026 13:06
शनि	06/05/2026 11:16
बुध	16/05/2026 05:50
केतु	20/05/2026 06:25
शुक्र	31/05/2026 18:23
सूर्य	04/06/2026 05:11
चंद्र	09/06/2026 23:10
मंगल	13/06/2026 23:45
राहु	24/06/2026 08:07

चंद्र - बुध - शनि	
24/06/2026 08:07	
14/09/2026 06:23	
शनि	07/07/2026 07:27
बुध	18/07/2026 22:00
केतु	23/07/2026 16:42
शुक्र	06/08/2026 08:25
सूर्य	10/08/2026 10:43
चंद्र	17/08/2026 06:35
मंगल	22/08/2026 01:17
राहु	03/09/2026 08:13
गुरु	14/09/2026 06:23

चंद्र - केतु - केतु	
14/09/2026 06:23	
26/09/2026 16:40	
केतु	14/09/2026 23:47
शुक्र	17/09/2026 01:30
सूर्य	17/09/2026 16:25
चंद्र	18/09/2026 17:16
मंगल	19/09/2026 10:40
राहु	21/09/2026 07:25
गुरु	22/09/2026 23:11
शनि	24/09/2026 22:25
बुध	26/09/2026 16:40

चंद्र - केतु - शुक्र	
26/09/2026 16:40	
01/11/2026 04:55	
शुक्र	02/10/2026 14:43
सूर्य	04/10/2026 09:20
चंद्र	07/10/2026 08:21
मंगल	09/10/2026 10:04
राहु	14/10/2026 17:54
गुरु	19/10/2026 11:32
शनि	25/10/2026 02:28
बुध	30/10/2026 03:12
केतु	01/11/2026 04:55

चंद्र - केतु - सूर्य	
01/11/2026 04:55	
11/11/2026 20:36	
सूर्य	01/11/2026 17:42
चंद्र	02/11/2026 15:01
मंगल	03/11/2026 05:56
राहु	04/11/2026 20:17
गुरु	06/11/2026 06:22
शनि	07/11/2026 22:51
बुध	09/11/2026 11:04
केतु	10/11/2026 01:59
शुक्र	11/11/2026 20:36

चंद्र - केतु - चंद्र	
11/11/2026 20:36	
29/11/2026 14:43	
चंद्र	13/11/2026 08:06
मंगल	14/11/2026 08:58
राहु	17/11/2026 00:53
गुरु	19/11/2026 09:42
शनि	22/11/2026 05:10
बुध	24/11/2026 17:32
केतु	25/11/2026 18:24
शुक्र	28/11/2026 17:25
सूर्य	29/11/2026 14:43

चंद्र - केतु - मंगल	
29/11/2026 14:43	
12/12/2026 01:01	
मंगल	30/11/2026 08:07
राहु	02/12/2026 04:52
गुरु	03/12/2026 20:38
शनि	05/12/2026 19:52
बुध	07/12/2026 14:07
केतु	08/12/2026 07:31
शुक्र	10/12/2026 09:14
सूर्य	11/12/2026 00:09
चंद्र	12/12/2026 01:01

चंद्र - केतु - राहु	
12/12/2026 01:01	
13/01/2027 00:02	
राहु	16/12/2026 20:04
गुरु	21/12/2026 02:20
शनि	26/12/2026 03:47
बुध	30/12/2026 16:26
केतु	01/01/2027 13:11
शुक्र	06/01/2027 21:01
सूर्य	08/01/2027 11:22
चंद्र	11/01/2027 03:17
मंगल	13/01/2027 00:02

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से रूधिर या पित्तजनित रोगों से आप कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध के भाव की भी अधिकता रहेगी। इस समय आप जो भी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करेंगे उनसे आपको अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। अतः मानसिक रूप से भी आप परेशान तथा व्याकुल रहेंगे जिससे मन में अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। शत्रुपक्ष से भी इस समय आप चिन्तित रहेंगे तथा घर में किसी चोरी आदि की संभावना रहेगी। इसके अतिरिक्त आग या दुर्घटना के द्वारा भी हानि हो सकती है। इस समय आपकी बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा कार्यो को शीघ्रता पूर्वक सम्पन्न करेंगे जिससे लाभ की अपेक्षा हानि की संभावना अधिक रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में हानि तथा समस्याएं रहेंगी जिससे लाभ मार्ग अवरूद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता रहेगी तथा किसी मिथ्या अपवाद के द्वारा आपको मान हानि का भी सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक दृष्टि से भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा परिश्रम पूर्वक ही आप आवश्यक धनार्जन कर सकेंगे परन्तु व्ययाधिक्य के कारण इसमें कोई विषमता भी उत्पन्न होगी। इसके अतिरिक्त प्रेम संबंधों में भी आप असफलता प्राप्त करेंगे तथा उद्देश्यहीन दूर की यात्राएं भी सम्पन्न होंगी। अतः इस वर्ष को शान्ति एवं बुद्धिमता से व्यतीत करें जिससे समस्याओं में न्यूनता रहेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा।इस समय अन्यंत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होंगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी।अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।